13 वीर नारियों और 12 सैन्य अधिकारियों को वीरता पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

13 अगस्त, 2022 को उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने 13 वीर नारियों और 12 पूर्व सैनिक व सैन्य अधिकारियों/वर्तमान सैन्य अधिकारियों को वीरता पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- इस दौरान राज्यपाल ने छात्रों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और जवानों, छात्रों, बलिदानी सैनिकों के स्वजन व पूर्व सैनिकों से बातचीत की।
- राज्यपाल ने कहा कि वीरांगनाओं का राष्ट्र निर्माण के लिये जो समर्पण है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि सबसे बड़े सौभाग्य की बात यह है कि ये कार्यक्रम ऐसे स्थान पर हो रहा है, जहाँ से देश को पहला परमवीर चक्र विजेता सोमनाथ शर्मा जैसा वीर मिला।
- राज्यपाल ने सब एरिया मुख्यालय के अधिकारियों को सुझाव देते हुए कहा कि उत्तराखंड सैनिक कल्याण बोर्ड की भाँति वह भी पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और बलिदानियों के स्वजनों की जानकारी एकत्र कर डाटाबेस तैयार कर सकते हैं। उत्तराखंड सरकार की ओर से प्रदेश के सैनिकों व वीर नारियों के लिये विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।
- वीर नारियों के रूप में सुनीता बिष्ट, शांति देवी, चित्रा देवी, लक्ष्मी तोमर, रामप्यारी, उर्मिला देवी, अंजू देवी, पार्वती देवी, विमला देवी, लता देवी, सुजाता थापा, करिन, अनिता देवी को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- पूर्व सैनिक व सैन्य अधिकारीयों मे प्रमोद चंद्र भारद्वाज, मेजर जनरल शमशेर सिंह, कोमोडोर ए के सिन्हा, आनरेरी कैप्टन खुसिंग गुरुंग, दल बहादुर लिंबू, देवी प्रसाद, सूबेदार बाग सिंह और सूबेदार मेजर वीर बहादुर पुन (सम्मान उनके दामाद लाल बहादुर ने ग्रहण किया) को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gallantry-awards-to-13-brave-women-and-12-army-officers